अप्रैल 2018

सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

7 मैं तैयारी करूँगा और एक दिन मेरा मौका आएगा

विशेष स्तम्भ

9 समसामयिक सामान्य ज्ञान
14 आर्थिक परिदृश्य
19 राष्ट्रीय परिदृश्य
23 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य
30 क्रीड़ा जगत्
33 23 वें शीतकालीन ओलम्पिक खेल प्योंगचांग में सम्पन्न
35 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य
36 युवा प्रतिभाएं
38 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
41 सारभूत तत्व कोष
45 सामान्य जागरूकता—आगामी रेलवे परीक्षाओं के लिए विशेष

लेख

48 सामयिक लेख—युवा असंतोष और आन्दोलन
50 शैक्षिक लेख—शिक्षा के स्तर पर बारहवीं वार्षिक रिपोर्ट—2017
53 अन्तरिक्ष लेख— जीएसएलवी- एमके-3 : क्रायोजेनिक तकनीक में भारत की असाधारण दक्षता

हल प्रश्न-पत्र

56 रेलवे भर्ती बोर्ड गैर-तकनीकी (एनटीपीसी) परीक्षा, 2016
64 आईबीपीएस क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक कार्यालय सहायक (प्रा.) परीक्षा, 2017
70 IBPS Bank Clerical Cadre Pre. Exam., 2017– English Language
72 दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड शारीरिक शिक्षा शिक्षक परीक्षा, 2017
77 मध्य प्रदेश पुलिस सूबेदार एवं सब-इंस्पेक्टर चयन परीक्षा, 2017
88 झारखण्ड एस.एस.सी. इण्डिया रिजर्व बटालियन सामान्य आरक्षी भर्ती परीक्षा, 2017
93 मध्य प्रदेश पटवारी चयन परीक्षा, 2017
98 मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2017
107 आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड की ग्रुप-'डी' व लोको पायलट/तकनीशियन पदों की परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

विविध/सामान्य

113 रेलवे भर्ती बोर्ड : ग्रुप-'डी'/लोको पायलट/तकनीशियन भर्ती परीक्षा, 2018 की तैयारी
117 उत्तर प्रदेश बजट : 2018-19–महत्वपूर्ण बिन्दुवार सामग्री
120 सामान्य जानकारी—परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान, विकास कार्यक्रम तथा नई तकनीकों के बढ़ते चरण : एक दृष्टि में
122 आगामी रेलवे परीक्षा हेतु—रेलवे ईयर बुक 2016-17 का सार
126 ज्ञान वृद्धि कीजिए
127 व्यक्ति परिचय
129 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. —सम्पादक

• **E-mail :** publisher@pdgroup.in • **Website :** www.pdgroup.in

"I am capable, I am strong—If I believe in myself. I can turn my dreams into a plan, and my plan into my reality.

अगर कोई व्यक्ति रातों-रात प्रसिद्धि पाता है, अचानक धनपति बन जाता है अथवा किसी अवार्ड के लिए चुना जाता है अथवा परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो जाता है अथवा प्रतियोगिता में जीत हासिल कर लेता है, तो आप क्या कहेंगे ? ऐसे व्यक्ति के बारे में आप यही कहेंगे ना कि–

What a Lucky Person he is. वाह ! क्या किस्मत है इसकी !! बहुत भाग्यशाली है वह !! किन्तु आप और हम उसकी सफलता का दिन देख रहे हैं, हमने उस सफलता के पीछे के संघर्षों के दिन कहाँ देखे ? हम नहीं जान पाते कि शिखर पर बैठे लोग इस शिखर तक पहुँचे कैसे थे ? इन्होंने शिखर तक पहुँचने के लिए कितना श्रम किया था, कितना रियाज किया था. उनकी तब की मेहनत आज रंग लाई है. वे घण्टों-घण्टों अपने फील्ड में जुट रहे थे, चाहे वे किसान ही क्यों न हो, सदी-गर्मी हर ऋतु में प्रातः जल्दी जागकर खेतों में श्रम करते रहते, चाहे वे क्रिकेटर ही क्यों न हो, हर दिन सुबह से शाम तक कितने घण्टे, कभी बैटिंग तो कभी बॉलिंग, कभी फीलि्डंग तो कभी जॉगिंग, चाहे वे महान् गीतकार, संगीतकार ही क्यों न हो, दिन-रात अपने उपकरणों पर रियाज करते रहते हैं, चाहे वे छात्र-छात्राएँ ही क्यों न हों, वर्ष भर कड़ी मेहनत से पढ़ते-लिखते रहे, चाहे वे संत-महात्मा ही क्यों न हो भूख-प्यास-शीत छाँव सब कुछ सहते हुए मंत्र जाप, ध्यान व समाधि का अभ्यास करते रहे, सबने लगातार तैयारी की है, तब किसी दिन उनकी मेहनत रंग लाई है, आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक जगत् में ऐसे अनेक लोग हुए हैं जो अपने अथक प्रयासों, परिश्रम, दृढ़निश्चय से अपने-अपने क्षेत्र में शीर्ष पर पहुँचे. मुरलीधर और विमल कुमार ज्ञानचंदानि ने अपने दम पर घड़ी साबुन और डिटर्जेंट बनाने वाली ₹ 5000 करोड़ की कम्पनी खड़ी करने में सफलता हासिल की. बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के कल्यान सिंह, मुलायम सिंह, मायावती, नरेन्द्र मोदी सत्ता के शिखर पर पहुँचे. बिजली के खम्भे पर लगे बल्ब की रोशनी में पढ़कर आईएएस भी बनते देखा गया है. फिर भला आप और हम क्यों अधीर हो उठते हैं ? अगर आज दिन तक आप सफल नहीं हुए हैं तो स्वयं से कहिए कि–